Rajasthan Patrika

EDII

September 22, 2023
Pg.2

नई दिल्ली में दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग, ईडीआईआई व कॉर्पोरेट्स की बैठक

# दिव्यांगजनों के लिए 3 हजार उद्यम शुरू करने पर मंथन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**अहमदाबाद.** भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) ने भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) के सहयोग से कॉर्पोरेट्स के लिए नई दिल्ली में आयोजित बैठक में दिव्यांगजनों के लिए 3 हजार उद्यम शुरू करने पर मंथन किया गया। कॉर्पोरेट्स की सीएसआर गतिविधियों के तहत दिव्यांग जनों के लिए सुनिश्चित आजीविका को सपोर्ट, एक्टिवेट और निर्मित करने के मकसद से यह बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान दिव्यांगजनों को लेकर बड़े पैमाने पर समाज को संवेदनशील बनाने और उनकी बेहतरी के प्रभावी उपाय शुरू करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। दिव्यांगजनों के लिए 3,000 नए उद्यमों की स्थापना करने में 1,500 टैक्नोलॉजी-संचालित और 1,500 सामान्य उद्यम शुरू करने पर जोर दिया गया। दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल कहा कि भारत में, हमारा दृष्टिकोण समावेशी है लेकिन बुनियादी ढांचा अभी भी समावेशी नहीं है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने सीएसआर के माध्यम से दिव्यांगजनों को सहायता और सहायक उपकरण प्रदान करने, उनकी अपस्किलिंग, उन्हे ऋण और सलाह प्रदान करने सहित विभिन्न पहलुओं पर भार देने को कहा। ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करनो होगा कि दिव्यांगजनों को उचित रूप से प्रशिक्षण और सहायता मिले। उनके लिए स्थायी व्यावसायिक अवसरों और उद्यमशीलता से जुड़ी व्यावहारिक संभावनाओं का भी पता लगाना होगा।

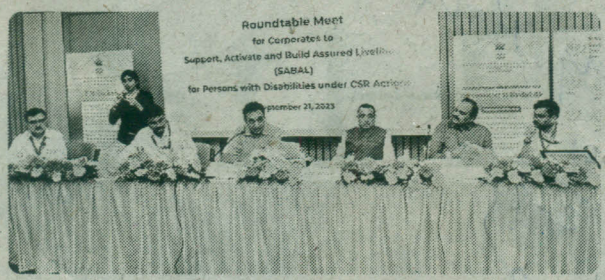

नई दिल्ली में आयोजित बैठक।

## अब तक 8533 दिव्यांगों को किया प्रशिक्षित

ईडीआईआई में परियोजना विभाग (कॉर्पोरेट) के निदेशक डॉ. रमन गुजराल ने कहा कि संस्थान ने अब तक 266 कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 8,533 दिव्यांगों को प्रशिक्षित किया है, जिससे 1,247 उद्यमों की स्थापना हुई है। संस्थान परिसर में दिव्यांग सशक्तिकरण केंद्र (सीईडीए) कार्यरत है। जिसे सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग, सामाजिक रक्षा निदेशालय, गुजरात राज्य विकलांग (दिव्यांग) वित्त और विकास निगम, गुजरात सरकार के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।